No. of Printed Pages : 3

MSK-006

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.एस.के.-006 : भाषाविज्ञान, अनुवाद एवं निबन्ध लेखन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार ही प्रश्नो के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×10=50

(क) भाषाविज्ञान का अभिप्राय बताते हुए, भाषाविज्ञान के अंगों का वर्णन कीजिए।

(ख) अर्थपरिवर्तन की दिशाओं का वर्णन कीजिए।

(ग) नागरी लिपि के सुधार का इतिहास बताते हुए नागरी लिपि में परिवर्तन सम्बन्धी सुझावों को लिखिए।

(घ) भाषाओं के आकृतिमूलक वर्गीकरण को संक्षिप्त रूप में लिखिए।

(ङ) वैदिक और लौकिक संस्कृत में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(च) आधुनिककालीन आर्यभाषा के भेदों पर प्रकाश डालिए।

(छ) आधुनिक भाषाविज्ञान के अध्ययन व शोध कार्यों के विकास के लिए विभिन्न सम्प्रदायों अथवा स्कूलों के योगदान का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए : 20

(क) वेदानां महत्वम्

(ख) आचार: परमोधर्म:

(ग) मुखं व्याकरणं स्मृतम्

खण्ड-ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$5 \times 6 = 30$

(क) वैदिक संस्कृत की विशेषताएँ

(ख) अधिकरण कारक के नियम

(ग) स्वनिम विज्ञान का अभिप्राय और विशेषताएँ

(घ) प्राकृत भाषा की विशेषताएँ

(ङ) ध्वनिविज्ञान की उपयोगिता

(च) चतुर्थी कारक के नियम

(छ) शब्द-निर्माण की प्रक्रिया